

डीआरडीओ समाचार



डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

<https://www.drdo.gov.in/samachar>

ISSN: 0971-4405

मार्च 2024 खण्ड 36 अंक 03

सीबीआरएन टोही वाहन (पहियेदार) का कार्यान्वयन और सफल परीक्षण



डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें



संरक्षक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण
संपादक: दीप्ति अरोरा
सहायक संपादक: धर्म वीर
अनुवादक: अनुराग कश्यप

प्रकाशन का 36वां वर्ष

मार्च 2024 खण्ड 36 अंक 03

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर) श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई) श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स) श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर) डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक) डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल) डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई) श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) सुश्री मीता जन, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) डॉ सुजाता दास, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा) श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी) डॉ रुपेश कुमार चौबे, टोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल) श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल) डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	गुप कैप्टन आर के मंशारमानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जावान सामग्री के लिए अग्रिम केन्द्र (एसीईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई) डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी) डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)



इस अंक में

मुख्य लेख	4
समझौता ज्ञापन	8
नवोन्मेष	9
घटनाक्रम	11
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप	15
अवसंरचना विकास	20



राजभाषा क्रियाकलाप	21
कार्मिक समाचार	23
खेलकूद क्रियाकलाप	23
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम	25

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in
दूरभाष: 011-23902403, 23902472, फैक्स: 011-23819151

सीबीआरएन टोही वाहन (पहियेदार) का कार्यान्वयन और सफल परीक्षण

वाहन अनुसंधान और विकास स्थापना (वीआरडीई), अहमदनगर ने नेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेस्टिंग पर स्वदेशी रूप से निर्मित एवं अभिकल्पित सीबीआरएन टोही वाहन (पहियेदार) का सफलतापूर्वक परीक्षण कर लिया है। विकासात्मक परीक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण हुए, जिनमें गतिशीलता मूल्यांकन, बाधा पार करना, सीबीआरएन यांत्रिकी का अनुपालन परीक्षण, स्थान चिन्हित करना, नमूने इक्कट्टा करना, और आरसीडब्लूएस 7.62 मिमी की गोलीबारी का परीक्षण शामिल थे। रासायनिक, जैविक, विकिरणीय

और परमाणु (सीबीआरएन) टोही इकाईयाँ सीबीआरएन संदूषण का पता लगाने के लिए निगरानी और प्रतिचयन का कार्य करते हैं।

वीआरडीई, एक अग्रणी आर एण्ड डी संगठन जिसे पहियेदार लडाकू वाहनों के अभिकल्पन और विकास का कार्य सौंपा गया था, ने एक पहियेदार 8x8 वाहन का प्रोटोटाइप का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन कर लिया है। डिज़ाइन दल ने इस प्लेटफॉर्म पर आधारित वाहन परिवार (आइसीवी, एपीसी, लाइट टैंक, सीबीआरएन टोही वाहन, आदि) के विकास का सरलीकरण

करने के लिए मॉड्यूलैरिटी, स्केलेबिलिटी और री-कॉन्फिगुरेबिलिटी पर ध्यान दिया। उपयोगकर्ताओं की सहभागिता और विभिन्न सुझावों के समावेश से अनेकों परीक्षण करने के बाद, प्लेटफॉर्म को अर्द्ध सैनिक बलों और भारतीय सेना में परिनियोजन के लिए उपयुक्त पाया गया। यह वाहन अपने उभयचर सामर्थ्य से जल बाधाओं का परक्रामण करने सहित बेहतर ऑन-रोड और अंतरसीमा गतिशीलता प्रदान करता है।

“वाहन का परिवार” के इस विकास सिद्धांत पर आधारित, वीआरडीई ने एक द्वितीय जनरेशन 8x8 पहियेदार



प्लेटफॉर्म अभिकल्पित किया है जो भारतीय सेना द्वारा व्हेप 8x8 परीक्षण के दौरान सुझावित उन्नयन जैसे बढ़े हुए फ्रंटल ग्लेसिस, वायवीय प्रारम्भ आदि से युक्त है। क्रू-इन-हल अभिन्यास के साथ वाहन संरूपण, सीबीआरएन टोही भूमिका के लिए प्रारम्भ से ही अभिकल्पित की गयी हैं। यह नवोन्मेषी उच्च गतिशीलता प्लेटफॉर्म अग्रणी सीबीआरएन उपकरण [टोही वाहन (पहियेदार)] से एकीकृत है जो अपेक्षाओं को पार करते हुए एक वृहद् क्षेत्र तक सीबीआरएन टोहना संभव बनाता है।

स्वचालित रासायनिक एजेंट संसूचन-अलार्म (एसीएडीए) रासायनिक युद्धक एजेंट्स को बिंदु पर संसूचित करता है, और निष्क्रिय आईआर स्टैंड ऑफ संसूचक संकटदायी रासायनिक बादलों का सुदूर से पता लगाता है। यूवी-प्रतिदीप्त टाइप जैविक युद्धक एजेंट संसूचन प्रणाली जैविक युद्धक एजेंट्स के संसूचित होने पर उपयोगकर्ताओं को अधिसूचित करती है। आरएडीएमएसी परमाणु विस्फोट और विकिरण पतन को संसूचित करता है। जब सीबीआरएन घटना पता लगती है, एनबीसी निस्पंदन प्रणाली तुरंत वातायन से एनबीसी निस्पंदन संचार में बदल जाती है और कर्मीदल कम्पार्टमेंट में

तय उच्च दबाव का अनुरक्षण करती है।

वाहनों पर एकीकृत पिकेट ड्राइविंग प्रणाली का उपयोग जमीन में पिकेट लगाने के लिए किया जाता है ताकि सीबीआरएन संदूषित क्षेत्रों को चिन्हित किया जा सके। नियंत्रण कंसोल यंत्र सम्मुख का हृदय है, जो एकाधिक प्रणालियों से वास्तविक-समय आँकड़े एकत्र करता है और कमांड पोस्ट को भेजता है।

टोही सॉफ्टवेयर मानचित्र शीट्स को लोड करता है और वास्तविक-समय आँकड़ों से सीबीआरएन संकट क्षेत्रों को चिन्हित करती है।

वाहन के पीछे रिमोट से संचालित स्कूपिंग यंत्र संदूषित मिट्टी और जल को इक्कठा करता है। 360° स्थिति मूल्यांकन के लिए स्थायी दिन और रात कैमरे से युक्त एक कर्मीदल दृष्टि प्रणाली और आरसीडब्ल्यूएस-7.62 मिमी पीकेटी भी दिया गया है।

इस प्लेटफॉर्म की कुछ मुख्य विशेषताएँ हैं:

- पहियेदार 8x8 विन्यास
- 600 एचपी डीजल ईंजन और स्वचालित संचारण से समाकलित पॉवर पैक
- हाइड्रो-गैस निलंबन युक्त अग्रगत

ड्राइव लाइन, सीटीआईएस और रनफ्लैट अंतर्वेशनों से युक्त पहिये

- हाइड्रोजेट के साथ उभयचर
- 7.62 मिमी पीकेटी आरसीडब्ल्यूएस से युक्त क्रू इन हल
- प्राक्षेपिक सुरक्षा एसटीएनएजी-II (मोडयूलर और एसटीएनएजी-IV तक अपग्रेडेबल)
- विस्फोट सुरक्षा एसटीएनएजी-III (मोडयूलर और एसटीएनएजी-IV तक अपग्रेडेबल)
- एक त्वरित अग्नि संसूचन और निरोधक प्रणाली और एचवीएसी प्रणाली
- रेडियो सेट के माध्यम से वाहन और कमांड स्टेशन मुख्यालय के बीच सूचना संचार
- 360° स्थिति मूल्यांकन के लिए दिन और रात में प्रयोग की जा सकने वाली कर्मीदल दृष्टि प्रणाली

सीबीआरएन यंत्रीकरण

- रासायनिक संसूचक (एसीएडीए, पोर्टेबल-एसीएडीए, रासायनिक एजेंट रिमोट निगरानी प्रणाली)
- बीडब्ल्यूएस संसूचक, विकिरण और परमाणु संसूचक (विकिरण संसूचन मापन और नियंत्रण यूनिट, पॉकेट डॉसीमीटर, पॉकेट मात्रा दर मीटर)
- सीबीआरएन सुरक्षा प्रणाली
- अग्रगत भूमि संचालन प्रणाली
- स्वचालित मौसम स्टेशन
- द्रव्य और मृदा नमूना इकट्ठा करने के लिए रिमोट द्वारा संचालित स्कूपिंग यन्त्र
- सीबीआरएन संदूषित क्षेत्रों को चिन्हित करने के लिए पिकेट ड्राइविंग प्रणाली
- एचवीएसी युक्त सहायक पीयू

समाकालीन वाहनों के साथ तुलना

पहियेदार सीबीआरएन आरवीस का समाकालीन वाहनों से एक तुलनात्मक विश्लेषण नीचे दिए टेबल





में किया गया है। समाकालीन वाहन कि पहियेदार सीबीआरएन आरवी के निश्चित बढत है। तुलना से यह स्पष्ट पता चलता है पास अन्य समकालीन वाहनों पर एक डीआरडीओ की विभिन्न

तालिका: समकालीन वाहनों के साथ तुलना

उत्पाद का नाम	Fuchs 2 एनबीसी आरएस	स्ट्राइकर एम1135 एनबीसी आरवी	पिरान्हा 3 एनबीसी Reccee	पहियेदार सीबीआरएन आरवी
उत्पत्ति का देश	जर्मनी	युएसए	स्विट्जरलैंड	भारत
वाहन प्लेटफार्म				
कॉन्फिगरेशन	6x6	8x8	8x8	8x8
अधि० क्षमता, hp	425	350	400	600
भार (सीबीआरएन वाहन), टन	20	19.35	22	21.5
पी/डब्ल्यू अनुपात, एचपी/टी	21.25	18.08	18.18	27.90
अधिकतम गति, किमी/घंटा	96	96.5	100	101
ग्रेडेबिलिटी, %	60	60	60	60
ट्रेंच क्रॉसिंग, मी	1.2	1.98	2	2
उभयचर क्षमता	उभयचर	गैर-उभयचर	उभयचर	उभयचर
प्राक्षेपिक सुरक्षा	7.62 मिमी एपी एसटीएएनएजी स्तर 4 तक अपग्रेड करने योग्य	14.5 मिमी एपी (फ्रंटल) 7.62 मिमी (चारों ओर)	7.62 मिमी बॉल (एसटीएएनएजी स्तर 4 तक अपग्रेड करने योग्य)	7.62 मिमी एपी (एसटीएएनएजी स्तर 4 तक अपग्रेड करने योग्य)
विस्फोट सुरक्षा	एसटीएएनएजी स्तर 2 (अंडर बेलि)	एसटीएएनएजी स्तर-3 (स्तर 4 तक अपग्रेड करने योग्य)
आयुध सीबीआरएन वाहन	मॉडल 609 ईआरडब्ल्यूएस एम2 हेवी एमजी के साथ	12.7 मिमी एम2 एचबी एमजी, 16x एसजीएल 4x4	12.7 मिमी एफएन एम2एस हेवी एमजी, 40 मिमी एमके 19 एजीएल	आरसीडब्ल्यूएस 7.62 मिमी (12.7 मिमी और एसजीएल विकल्प उपलब्ध)
सीबीआरएन यंत्रीकरण				
रासायनिक खतरा संसूचन प्रणाली	मास स्पेक्ट्रोमीटर	रासायनिक मास स्पेक्ट्रोमीटर और पैसिव एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर आधारित स्टैंडऑफ संसूचक	सीडब्ल्यूए और टीआईसी के संसूचन और विश्लेषण के लिए गैस क्रोमैटोग्राफ प्रणाली	आयन-मोबिलिटी स्पेक्ट्रोमीटर टाइप केमिकल संसूचक और निष्क्रिय आईआर प्रकार स्टैंडऑफ संसूचक
जैविक खतरा संसूचन प्रणाली	प्लेम फोटोमेट्री टाइप जैव संसूचक	यूवी प्रतिदीप्ति टाइप जैव संसूचक	जैविक एयरोसोल संसूचक एवं संग्राहक	यूवी प्रतिदीप्ति टाइप जैव संसूचक
विकिरण/परमाणु खतरा संसूचन प्रणाली	विकिरण मात्रा मापी मीटर	विकिरण संसूचक	गामा संसूचन प्रोब, अल्फा बीटा कण मॉनिटर	जीएम टाइप गामा विकिरण संसूचक
प्रतिदर्श संग्रह प्रणाली	दो पहिया प्रतिदर्श प्रणाली	दो पहिया प्रतिदर्शन प्रणाली	दो पहिया आधारित भूमि रसायन प्रतिदर्श प्रणाली	रिमोट द्वारा संचालित स्कूपिंग यन्त्र



तालिका: सीबीआरएन आवीक्षी वाहन (पहियेदार) पर किये गये परीक्षण

क्र० सं०	परीक्षण	परिक्षण प्राचल	परीक्षण स्थल/क्षेत्र/ट्रैक का प्रकार
1	नरम मिट्टी में गतिशीलता	रेत और मिट्टी पार करना	रेत एवं मिट्टी ट्रैक (एनसीएटी)
2	गतिशीलता और बाधा पार परीक्षण	अधिकतम गति, हाईवे ईंधन खपत, ब्रेक प्रदर्शन (डायनामिक टाइप पी टेस्ट) टीसीडी, सीसीडी पार्श्व ढलान, ग्रेडिएंट, ऊँचाई चढ़ना, खाई पार करना, क्रॉस कंट्री ईंधन की खपत पास से गुजरने पर शोर स्तर, आंतरिक शोर स्तर, आदि	हाई स्पीड ट्रैक (एनसीएटी) स्टीयरिंग पैड (एनसीएटी), बाधा क्रॉसिंग ट्रैक (एनसीएटी) स्ट्रेट ट्रैक (एनसीएटी)
3	उभयचर परीक्षण	फोर्डिंग परीक्षण फ्री बोर्ड ऊँचाई, अधिकतम उभयचर गति, आदि।	फोर्डिंग ट्रैक (एनसीएटी) गुनावाड़ी झील, अहमदनगर जिला
4	सीबीआरएन यंत्रिकरण परीक्षण	एसीएडीए, बीडब्लूएडीएस, आरएडीएमएसी इकाई, ऑटो सीबीआरएन सुरक्षा प्रणाली, एएलएनएस (एडवांस्ड लैंड नेविगेशन सिस्टम), रिमोट संचालित स्कूपिंग यंत्र, सेंट्रल कंट्रोल कंसोल, ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन, CO संवेदक, वॉकी टॉकी रेडियो सेट, पर्यावरण नियंत्रण प्रणाली के साथ एकीकृत सहायक पावर यूनिट (एपीयू), आदि का अनुपालन परीक्षण। सीएआरएमएस पिकेट ड्राइविंग प्रणाली	एनसीएटी लोनावला केके रेंज, अहमदनगर
5	आरसीडब्ल्यूएस का फायरिंग परीक्षण (7.62 मिमी पीकेटी)	100 मीटर परास सटीकता, 500 मीटर परास सटीकता, हथियार संचालन, फायरिंग का क्षेत्र, रीगार्ड ऑफ साईट का क्षेत्र, ऑटो लक्ष्य ट्रैकिंग, आदि।	केके रेंज, अहमदनगर
6	कर्मीदल दृष्टि प्रणाली परीक्षण	कमांडर और ड्राइवर का दिन और रात का कैमरा संचालन, कमांडर साईट डीआरआई, आदि	एनसीएटी

प्रयोगशालाएँ जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिकी केंद्र (केयर) बंगलुरु, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल) जोधपुर, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई), ग्वालियर, आर एण्ड डीई (ई), पुणे और

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद इस वाहन के विकास में शामिल रहीं। इसके साथ ही औद्योगिक साझेदार जैसे वाहन प्लेटफार्म के लिए मैसर्स महिंद्रा रक्षा प्रणाली लि० पृथला, सीबीआरएन

यंत्रिकरण एवं आरसीडब्ल्यूएस के लिए मैसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि० और कर्मीदल दृष्टि प्रणाली के लिए मैसर्स टोन्बो इमेजिंग इंडिया प्रा० लि० बंगलुरु शामिल रहीं।

डीएमएसआरडीई और सीएसजेएमयू, कानपुर के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

रक्षा सामाग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर और स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस एण्ड स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईटी), छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी (सीएसजेएमयू), कानपुर, दोनों मुख्य संस्थाओं ने अकादमिक और अनुसंधान सहकारिता तथा सरल अध्यापन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 29 जनवरी 2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई, तथा प्रो० विनय पाठक, कुलपति, सीएसजेएमयू ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों और सीएसजेएमयू के वरिष्ठ संकाय की मौजूदगी में



समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन वैज्ञानिकी ज्ञान को उन्नति प्रदान करने के लिए सहयोगी

प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम को पोषित करेगा ताकि देश और समाज का हित सुनिश्चित किया जा सके।

एनएसटीएल, वीआईटी चेन्नई के साथ एक समझौता ज्ञापन में शामिल

डीआरडीओ ने रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता पाने के लिए औद्योगिक और अकादमिक संस्थाओं से ज्यादा सहभागिता को प्रोत्साहित करने हेतु कई कार्यक्रम प्रारंभ किये हैं। डीआरडीओ-औद्योगिक-अकादमिक परस्पर क्रिया के वर्धन की संकल्पना, विविध प्रतिष्ठित संस्थओं में सीओइएस स्थापित करने के द्वारा सफलतापूर्वक क्रियान्वित की जा रही है। विद्यार्थी समुदाय में कुशलता बढ़ाने और परियोजनाओं में अनुसंधान अंतर्वस्तु अधिकतम करने के मद्देनजर, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने वीआईटी, चेन्नई के साथ सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन किया है ताकि स्मार्ट उत्पादन, उभयचर रोबोट,

बैटरी प्रबंधन प्रणाली, साईबर सुरक्षा, एआई/एमएल, अंतर्जालीय सूचना परिपथ आदि, के क्षेत्र में जानकारी विनिमय की जा सके।

समझौता ज्ञापन का विनिमयन डॉ अब्राहम वर्गीस, निदेशक, एनएसटीएल और डॉ सिवा कुमार, अध्यक्ष (प्रायोजित

अनुसंधान, वीआईटी) के बीच हुआ। डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) ने अन्य गण्यमान्यों के साथ आयोजन की अध्यक्षता की। वरिष्ठ वैज्ञानिक, अधिकारी और एनएसटीएल के कर्मचारी वर्ग भी कार्यक्रम में शामिल हुए।



हरित प्रणोदन प्रणाली ने कक्षा में कार्यक्षमता का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया

डीआरडीओ की प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) योजना के अंतर्गत विकसित हुई हरित प्रणोदन प्रणाली ने 01 फरवरी 2024 को प्रक्षेपित पीएसएलवी सी-58 के पेलोड पर अपनी कक्षा में कार्यक्षमता का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।

परियोजना-1एन वर्ग हरित एकल प्रोपेलेंट प्रणोदक को ऊँचाई नियंत्रण और सूक्ष्म उपग्रह को कक्षा में रखने के लिए, बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप बेलेट्रिक्स एयरोस्पेस प्रा0 लि0 (विकास अभिकरण) द्वारा संस्वीकृत किया गया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) दूरमापी, ट्रैकिंग, और कमान परिपथ (आईएसटीआरएसी),

बेंगलुरु, में पीएसएलवी कक्षीय प्रायोगिक मॉड्यूल (पीओईएम) से मिली दूरमापी जानकारी को जमीनी स्तर के समाधानों से अधिप्रमाणित किया गया और पाया गया कि इसने निष्पादन मापदंडों की सारी सीमाओं को पार कर लिया है।

इस नवीन प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप निम्न-कक्षा के लिए एक गैर-विषाक्त और पर्यावरण-हितैषी प्रणोदन प्रणाली का निर्माण हुआ। इस प्रणाली में स्वदेश विकसित प्रणोदक, भरने और खाली करने वाले वाल्व, लैच वाल्व, सोलेनोइड वाल्व, उत्प्रेरक बेड्स, ड्राइव विद्युत आदि शामिल हैं। यह उच्च प्रणोदन अपेक्षाओं वाले अंतरिक्ष

मिशन के लिए उत्तम है

सम्पूर्ण परियोजना का कार्यान्वयन विकास अभिकरण द्वारा डीआरडीओ के परियोजना नियंत्रण और परामर्श समूह के मार्गदर्शन में हुआ। इसने निर्वात में पल्स मोड और स्थाई अवस्था फायरिंग, बाहरी अंतरिक्ष में अवशिष्ट प्रणोदक का निष्क्रियकरण, प्रणोदक प्राप्ति और टीडीएफ में शामिल भराव प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया।

यह रक्षा मंत्रालय का एक पलैगशिप कार्यक्रम है जो डीआरडीओ द्वारा 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रक्षा और एयरोस्पेस में नवप्रवर्तन के लिए, खासकर स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई के लिए पूंजी प्रदान करता है।

तेजस मार्क-1ए के लिए डिजिटल उड़ान नियंत्रण कम्प्यूटर प्रणाली को सफलतापूर्वक उड़ाया गया

तेजस मार्क-1ए परियोजना के एक और महत्वपूर्ण विकास में वायर फ्लाइट कंट्रोल कम्प्यूटर (डीफसीसी) प्रणाली द्वारा डिजिटल उड़ान को एलएसपी7 प्रोटोटाइप में एकीकृत किया गया और 19 फरवरी 2024 को सफलतापूर्वक उड़ाया गया।

डीएफसीसी को तेजस-मार्क-1ए के लिए वैमानिक विकास प्रतिष्ठान (एडीई), बेंगलुरु द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है।

डीएफसीसी में चतुर्भुज शक्ति पीसी-आधारित प्रोसेसर, उच्च गति स्वायत्त अवस्था यंत्र-आधारित आई/ओ नियंत्रक, वर्धित कम्प्यूटेशनल प्रवाह क्षमता और डीओ178सी स्तर-ए सुरक्षा अपेक्षाओं के अनुपालन में जटिल ऑन-बोर्ड प्रक्रिया सामग्री मौजूद है।

सभी महत्वपूर्ण मापदंड और उड़ान नियंत्रकों का निष्पादन संतोषजनक पाया गया। प्रथम उड़ान का संचालन राष्ट्रीय उड़ान परीक्षण केंद्र के विंग कमांडर सिद्धार्थ सिंह केएमजे (सेवानिवृत्त) द्वारा किया गया।

वैमानिकी विकास अभिकरण (एडीए) ने रक्षा विभाग आर एंड डी और एमओडी के तत्वाधान में तेजस-हल्के लड़ाकू विमान का सफलतापूर्वक प्रमाणन कर लिया है। भारतीय वायु सेना पहले ही तेजस एलसीए-मार्क-1ए का संचालन कर चुकी है।

तेजस मार्क-1ए वायुयान के उन्नत संस्करण में उन्नत मिशन कम्प्यूटर, उच्च निष्पादन डिजिटल उड़ान नियंत्रण कम्प्यूटर (डीएफसीसी मार्क-1ए), स्मार्ट बहु-प्रकार्य डिसप्ले

(एसएमएफडी), उन्नत इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे (एईएसए) रडार, उन्नत स्व-रक्षा जैमर, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट आदि शामिल है।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, आईएएफ, एडीए एवं उन उद्योगों को जो तेजस मार्क-1ए के इस महत्वपूर्ण प्रणाली के विकास और सफल उड़ान परीक्षण में शामिल रहे की प्रशंसा की और इसे विशेष आयातों में कमी के साथ आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने सफल उड़ान परीक्षण में शामिल रहे दलों को बधाई दी जिसने अनुबंधित समय-सीमा में तेजस मार्क-1ए को आईएएफ के सुपुर्द करने में आत्मविश्वास को बढ़ाया।

उच्च-गति व्यय योग्य हवाई लक्ष्य 'अभ्यास' का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण

30 जनवरी 2024 से 02 फरवरी 2024 के बीच चांदीपुर, ओडिशा स्थित एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर) से उच्च-गति व्यय योग्य हवाई लक्ष्य (हीट)-अभ्यास के 4 उड़ान परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। परीक्षणों को 4 विभिन्न मिशन विषयों के साथ एक परिशोधित दृढ़ संरूपण में उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल) हैदराबाद द्वारा डिजाइन किये गये घटते प्रक्षेपण त्वरण प्रदान करने वाले एक एकल अभिवर्धक के साथ कार्यान्वित किया गया। अभिवर्धक का सुरक्षित निकास, प्रक्षेपण शुद्धता, और वांछित प्रक्षेपण वेग अंत प्राप्त करना जैसे लक्ष्य प्राप्त हुए। उड़ान परीक्षण के दौरान विभिन्न मापदंड जैसे वांछित एंडोयोरेंस, गति, कौशलता, उन्नतांश और परास का सफलतापूर्वक विधिमान्यकरण किया गया। वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान

(एडीई), बेंगलुरु द्वारा अभिकल्पित 'अभ्यास' हथियार प्रणालियों के अभ्यास के लिए एक यथार्थपूर्ण खतरे का परिदृश्य प्रदान करता है। यह एडीई द्वारा स्वदेशी रूप से बनाये गये एक ऑटोपायलट की मदद से स्वायत्त रूप से उड़ने के लिए अभिकल्पित है। इसमें हथियार अभ्यास के लिए अवश्यक एक राडार अनुप्रस्थ परिच्छेद, एक दृष्टि और एक अवरक्त संवर्धन प्रणाली भी मौजूद है।

इसमें एक लैपटॉप-आधारित भूमि नियंत्रण प्रणाली है जिसके साथ एयरक्राफ्ट एकीकृत कर सकते हैं और प्री-फ्लाइट निरक्षण, उड़ान के दौरान जानकारी अभिलेखन, उड़ान के बाद की रीप्लेज और उड़ान के बाद का विश्लेषण किया जा सकता है। 'अभ्यास' को न्यूनतम रसद की आवश्यकता है और आयातित समानार्थियों की तुलना

में लागत प्रभावी है। हाल ही उत्पादन अभिकरणों हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि0 (एचएएल) और लार्सेन एंड टूब्रो (एलएंडटी) डिफेन्स के माध्यम से प्रणालिया का परीक्षण किया गया। चिन्हित उत्पादन अभिकरणों के साथ 'अभ्यास' उत्पादन के लिए तैयार है। 'अभ्यास' में निर्यात क्षमता है और मित्र देशों को प्रस्तावित किया जा सकता है।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, सैन्यबलों और उद्योगों को 'अभ्यास' के सफल उड़ान परीक्षण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा की प्रणाली का विकास सैन्य बलों के हवाई लक्ष्यों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डी डी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने प्रणाली के अभिकल्पन, विकास और परीक्षण में सम्मिलित समूह की सराहना की।



75वां गणतंत्र दिवस समारोह

केयर, बेंगलुरु

कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु ने 26 जनवरी 2024 को 75वां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया। आयोजन की शुरुआत श्री केपी प्रसन्ना कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, द्वारा झंडा फहराने से हुई तत्पश्चात राष्ट्रीय गान गाया गया। केयर कर्मचारियों को विभिन्न पुरस्कार भी वितरित किये गये।



डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने 26 जनवरी 2024 को बड़े उत्साह और जोश से 75वां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तत्पश्चात राष्ट्रीय गान गाया गया। उन्होंने 75वें गणतंत्र दिवस पर हर्ष व्यक्त किया, हृदय से धन्यवाद किया और सभी कर्मचारियों को बधाइयाँ दी। अपने संबोधन में उन्होंने विभिन्न पहलुओं में डीएमएसआरडीई की उपलब्धियों को चिन्हित किया और समय-सीमा के भीतर लक्ष्य हासिल करने में उनके पूरे समर्थन के लिए डीएमएसआरडीई कर्मचारियों का धन्यवाद किया। डीएमएसआरडीई कर्मचारियों के बच्चों को योग्यता प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार भी वितरित किये गये। इस अवसर पर निदेशक, डीएमएसआरडीई ने डीएमएसआरडीई परिसर में पीपल का एक पौधा भी लगाया। आयोजन

का समन्वयन मोहम्मद इमामुद्दीन, वैज्ञानिक एफ द्वारा किया गया।



आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई) ने 26 जनवरी 2024 को 75वां गणतंत्र दिवस मनाया जिसमें डॉ बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाने के बाद राष्ट्रीय गान गाया गया। डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने हर्ष व्यक्त किया, हृदय से धन्यवाद किया और सभी कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की बधाइयाँ दी। अपने संबोधन में उन्होंने विभिन्न पहलुओं में आईआरडीई की उपलब्धियों को चिन्हित किया और लक्ष्य हासिल करने में उनके पूरे समर्थन के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

डॉ दास ने मुख्य भाषण दिया और हमारे संविधान, मौलिक कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आईआरडीई की उपलब्धियों का उल्लेख किया और 2023 के दौरान परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की।

डॉ दास और डॉ अजय कुमार ने आईआरडीआई संवाद-पत्र 'दृष्टि' (डिटेक्शन, रिकग्निशन, आइडेंटिफिकेशन, सर्व, होमिंग एंड ट्रैकिंग विद इनोवेशन) का नवीनतम अंक भी जारी किया।



आईटीएम, मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम), मसूरी, ने 26 जनवरी 2024 को बड़े उत्साह और हर्ष के साथ 75वां गणतंत्र दिवस मनाया। आईटीएम के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक श्री एसए कट्टी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, तत्पश्चात राष्ट्रीय गान गाया गया। उन्होंने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता में एकता के प्रति गहरी सराहना व्यक्त की। आईटीएम के निदेशक ने संविधान के निर्माताओं और देश में लोकतंत्र की मर्यादा बनाये रखने वालों का सम्मान किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा में आत्मनिर्भरता की दिशा में डीआरडीओ और त्रि-सेवाओं द्वारा दिए गये योगदान की भी सराहना की। अपने समापन भाषण में उन्होंने टीम आईटीएम से अपने सर्वोत्तम प्रयासों को जारी रखने और अपने भविष्य के सभी प्रयासों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।



एलआरडीई, बेंगलुरु

26 जनवरी 2024 को 75वां गणतंत्र दिवस इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) में भारी उल्लास के साथ मनाया गया।

श्री गम्पाला विस्वम, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एलआरडीई ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और एलआरडीई कार्मिकों ने राष्ट्रीय गान गाया और निदेशक ने जनसमूह को संबोधित किया।



एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

26 जनवरी 2024 को सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु में 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। समारोह की शुरुआत डॉ एस के दत्ता, केंद्र प्रमुख, एमटीआरडीसी द्वारा झंडा फहराने के साथ हुई, तत्पश्चात उन्होंने जनसमूह को संबोधित किया। एमटीआरडीसी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और राष्ट्रगान के साथ उत्सव का समापन किया गया।



एनएमआरएल, अम्बरनाथ

26 जनवरी 2024 को नौसेना सामाग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अम्बरनाथ में देशभक्ति की भावना और असीम उत्साह के साथ 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। समारोह की शुरुआत श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल द्वारा



एनएमआरएल, अम्बरनाथ में गणतंत्र दिवस समारोह

राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के साथ हुई। निदेशक एनएमआरएल ने एनएमआरएल कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। एनएमआरएल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने समारोह में भाग लिया। एनएमआरएल कर्मचारियों के बच्चों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और इस शुभ अवसर पर देशभक्ति कविताएँ, गीत और नृत्य प्रस्तुत किये।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

75 वें गणतंत्र दिवस को नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), में भव्य तरीके से मनाया गया। डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल ने 576 प्लाटून के डीएससी कैडेट्स द्वारा गर्मजोशी से स्वागत मिलने के बाद राष्ट्रीय ध्वज को फहराया। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ वर्गीस ने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि कैसे एनएसटीएल भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयास कर रहा है, विशेष रूप से भारतीय नौसेना को आधुनिकतम स्वदेशी उन्नत प्रौद्योगिकी द्वारा।

मुख्य सुरक्षा अधिकारी, नेवी अफसर, डीएससी कैडेट्स, एनएसटीएल सिविल एम्प्लॉइज यूनियन के सदस्यों, कार्य समिति और एनएसटीएल कर्मचारियों और उनके परिवारों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। रामनाथ सेकेंडरी स्कूल के छात्रों द्वारा देशभक्ति गीतों ने समारोह के दौरान दर्शकों को आकर्षित किया।



गणतंत्र दिवस के दौरान एंटी ड्रोन प्रणाली [डी4] की तैनाती

75वें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान, डीआरडीओ ने आयोजन स्थल के आसपास निर्दिष्ट एनसीआर क्षेत्र में एंटी-ड्रोन कवच प्रदान करने के लिए व्यापक एंटी ड्रोन प्रणाली (डी4) को तैनात किया। डी4 प्रणाली को दिल्ली पुलिस के कमांड एंड कंट्रोल पोस्ट (सीएसीपी) के साथ स्थापित और एकीकृत किया गया था जहाँ इसने अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ सभी प्रारंभिक अभ्यासों में भाग लिया और गणतंत्र दिवस परेड, बीटिंग रिट्रीट तथा सम्बंधित आयोजनों के दौरान कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

परिनियोजन टीम में एलआरडीई, डीएलआरएल, चेस, आईआरडीई और मैसर्स बीईएल के दल शामिल थे; लॉजिस्टिक और सुरक्षा व्यवस्था सीसीई आर एंड डी (दिल्ली), सामग्री सेवा निदेशालय (डीएमएस), सतर्कता और सुरक्षा निदेशालय (डीवीएस) और निम्न तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी) के दलों के समग्र समन्वय द्वारा की गई। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ तथा महानिदेशक (पीसी एंड एसआई) ने तैनाती साइट का दौरा किया और दलों के महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनकी सराहना की। डीएलआईसी ने



भी अपने संचालन के लिए प्रणाली का प्रदर्शन करने के लिए सीआरपीएफ, एसएसबी, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन

(बीसीएस) और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) के अधिकारियों की दौरे का आयोजन किया।

स्थापना दिवस समारोह

पीएक्सई, चांदीपुर

प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), चांदीपुर, बालासोर डीआरडीओ की सबसे पुरानी प्रयोगशाला और प्रीमियम युद्ध सामग्री परीक्षण रेंज है। यह 07 नवंबर 1895 को अस्तित्व में आयी और देश के लिए 128 साल की सेवा पूरी की। 7 नवंबर 2023 को, श्री डी के जोशी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, पीएक्सई ने कार्यक्रम का उद्घाटन

किया और कर्मचारियों को अपने संबंधित क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए विभिन्न पुरस्कार प्रदान किये। श्री सुशांत कुमार जेना, तकनीकी अधिकारी 'डी', को 'प्रूफ मैन ऑफ द ईयर अवार्ड' और हवलदार (जीएनआर) विनय कुमार सिंह ने वर्ष 2022 के लिए 'पीएक्सई सैनिक पुरस्कार' प्राप्त किया। इस अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए

लगभग 300 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का समापन समारोह 05 दिसंबर 2023 को आयोजित किया गया। डॉ बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस) मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे, डॉ एसवी गडे, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) सम्मानित अतिथि थे और

श्री एचके रथ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईटीआर विशेष आमंत्रित अतिथि रहे।

प्रकृति के साथ सौहार्दपूर्ण सह-अस्तित्व का पुण्य स्मरण करने के लिए पीएक्सई के कर्मचारियों द्वारा एक वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया और 129 से अधिक पौधे लगाए गए। एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 134 यूनिट रक्त एकत्र किया गया और 06 व्यक्तियों ने अपनी आँखें और 03 व्यक्तियों ने अंग दान करने का संकल्प लिया। श्री आरएस मोहपात्रा, वैज्ञानिक 'एफ' अध्यक्ष, आयोजन समिति ने कार्य समिति, संघों और पीएक्सई के कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया।

यूएआरएफ, इडुक्की

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि की एक क्षेत्रीय इकाई, अंतर्जलीय ध्वनिक अनुसंधान सुविधा (यूएआरएफ), इडुक्की ने 29 जनवरी 2024 को अपना वार्षिक दिवस मनाया। अपने उद्घाटन संबोधन में, मुख्य अतिथि, एनपीओएल के निदेशक डॉ अजित कुमार के ने यूएआरएफ की उपलब्धियों की सराहना की। जनजातियों के राजा श्री रमन राजा मन्नान और श्री निनान डी, ऊरुमुप्पन ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री शाजी पीटर, वैज्ञानिक 'ई' और प्रभारी अधिकारी, यूएआरएफ ने सभा का स्वागत किया और यूएआरएफ गतिविधियों पर एक संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की।

श्री जिनेश जॉर्ज, वैज्ञानिक 'एफ' और समूह निदेशक (ट्रांसड्यूसर) ने अपने अध्यक्षीय भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि यूएआरएफ सुविधा का उपयोग न केवल एनपीओएल और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा बल्कि इसरो, एनआईओटी आदि संगठनों द्वारा भी किया जा रहा है। श्री मोहनन के,



वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक (प्रबंधन), डॉ एवी रमेश कुमार, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, एनपीओएल वर्क्स समिति, श्री सुरेश कुमार एस, सचिव, एनपीओएल वर्क्स समिति, श्री अभिलाष, वीओसी, महासचिव, एनपीओएल नागरिक

कर्मचारी संघ एवं नेता, कर्मचारीपक्ष, जेसीएम IV स्तर, और श्री किशोर कुमार के, एसटीए एवं महासचिव, आर एंड डी कर्मचारी संघ ने अवसर पर शुभकामनाएं दीं। श्री विनोद पीआर, टीओ 'बी' ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।



राइजिंग उत्तर प्रदेश-2024 प्रदर्शनी लखनऊ में डीआरडीओ की भागीदारी

5वां अंतर्राष्ट्रीय उद्योग और प्रौद्योगिकी एक्सपो 'राइजिंग उत्तर प्रदेश-2024' एमएसएमई और भारती मीडिया एंड इवेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 19-21 जनवरी 2024 के दौरान लखनऊ (यूपी) में आयोजित किया गया। रक्षा सामग्री एव भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर कार्यक्रम में डीआरडीओ प्रदर्शनी के आयोजन के लिए केंद्रीय प्रयोगशाला थी। डीआरडीई, ग्वालियर; प्रौद्योगिकी विकास निधि निदेशालय (डीटीडीएफ); भविष्य प्रौद्योगिकी प्रबंधन निदेशालय (डीएफटीएम) और उद्योग इंटरफेस एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन निदेशालय (डीआईआईटीएम) ने कार्यक्रम में भाग लिया। डीएमएसआरडीई और



डीआरडीई ने अपने उत्पाद एवं डॉ गोबर्धन लाल, वैज्ञानिक 'ई' ने प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समन्वयक थे।

जी-20 पुस्तकालय शिखर सम्मेलन में डेसीडॉक की भागेदारी

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 07-09 फरवरी 2024 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित जी-20 पुस्तकालय शिखर सम्मेलन में भाग लिया। शिखर सम्मेलन का विषय 'ज्ञान विरासत के लिए राष्ट्रों को जोड़ना' था और इसका आयोजन जी-20 सदस्य देशों के पुस्तकालय पेशेवरों, नीति निर्माताओं, शिक्षकों, आईटी पेशेवरों और सांस्कृतिक विशेषज्ञों को एक साथ लाने और तेजी से बदलती दुनिया में ज्ञान साझा करने, सहयोग करने और पुस्तकालयों के भविष्य को आकार देने के लिए किया जाता है। डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने शिखर सम्मेलन के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने स्वदेशी ज्ञान और भाषाओं के संरक्षण पर अपने विचार साझा किए। श्रीमती



दीप्ति अरोरा, तकनीकी अधिकारी 'सी' को उनके लेख 'मैक्सिमाइजिंग रिसर्च इम्पैक्ट: स्ट्रेटेजीज फॉर कंट्रीब्यूटिंग टू हाई इम्पैक्ट स्कॉलरली जर्नल्स एंड रिव्यू ऑफ इम्पैक्ट ऑफ डीआरडीओ

पब्लिकेशंस' के लिए सर्वश्रेष्ठ लेख का पुरस्कार मिला जिसे उन्होंने श्री सुधांशु भूषण, वैज्ञानिक 'एफ' तथा डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक के सहलेखन में लिखा।

हिमाचल प्रदेश एवरेस्ट एसोसिएशन के एजीएएम में डीजीआरई की भागीदारी

रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई), चंडीगढ़ ने भारतीय सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण और संबद्ध खेल संस्थान (एबीवीआईएमएस) के साथ मिल कर 21 जनवरी 2024 को माउंट एवरेस्ट पर विभिन्न आगामी अभियानों पर चर्चा के लिए चंडीगढ़ में हिमाचल प्रदेश एवरेस्ट एसोसिएशन (एचपीईए) के साथ वार्षिक आम सभा (एजीएएम) की बैठक में भाग लिया। सदस्यों ने चुनौतीपूर्ण बर्फीले परिदृश्यों में अभियान सुरक्षा, आपदा तैयारियों और प्रबंधन में चल रहे मानकों पर चर्चा की। एचपीईए ने हिमस्खलन सुरक्षा बचाव कार्यों के दौरान पर्वतारोहियों के सामने आने वाली परेशानियों पर



जोर दिया और ऐसे अभियानों को तय करने में महत्वपूर्ण कारक के रूप में डीजीआरई द्वारा जारी पूर्वानुमानों और चेतावनियों पर विश्वास दिखाया।

डील में प्रलेखन, जागरूकता और आंतरिक लेखापरीक्षा पर एक पाठ्यक्रम

12-13 फरवरी 2024 के दौरान आईएस/आईएसओ 9001:2015 के अनुसार प्रलेखन, जागरूकता और आंतरिक लेखापरीक्षा पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून में आयोजित किया गया। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय मानकीकरण प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय मानक ब्यूरो के तत्वावधान में आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम का उद्घाटन श्री कृष्ण लाल, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक, डील ने किया। अपने उद्घाटन संबोधनमें उन्होंने परियोजना विकास के दौरान गुणवत्ता के महत्व पर जोर दिया। पाठ्यक्रम का संचालन श्री एलके मेहता, पूर्व वैज्ञानिक 'एफ' और प्रमुख, मानव



संसाधन विकास, बीआईएस द्वारा किया गया। पाठ्यक्रम में बुनियादी अवधारणाओं, गुणवत्ता सिद्धांतों, आईएसओ 9001:2015 की आवश्यकताएं, आईएस/आईएसओ 9001:2015 के लिए प्रलेखन, लेखा परीक्षण अवधारणाओं और सिद्धांतों

और लेखापरीक्षा योजना और उसके निष्पादन को शामिल किया गया। पाठ्यक्रम को प्रश्नोत्तरी और परीक्षणों द्वारा संवर्धित किया गया था जिससे अंतर गुणवत्ता लेखापरीक्षा में प्रमाणन प्राप्त हुआ।

आईआईटी रुड़की में उत्पाद प्रदर्शन

ऊर्जा भंडारण उपकरण-2023 (आईएमईएसडी-2023) और उद्योग-अकादमिक कॉन्फ्लेव पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय बैठक 7-10 दिसंबर 2023 के दौरान आईआईटी-रुड़की में आयोजित की गई। कॉन्फ्लेव का उद्देश्य दुनिया भर से ऊर्जा भंडारण उपकरणों के विशेषज्ञों और छात्रों को दृढ़ तकनीकी चर्चा और अंतर-अनुशासनात्मक बातचीत के लिए एकत्रित करना था। विभिन्न उद्योगों ने अपने नवाचारों का प्रदर्शन किया और उपस्थित लोगों को प्रौद्योगिकियों के भविष्य की एक झलक प्रदान की।

डीआरडीओ केंद्रित प्रदर्शनी, सम्मेलन का एक केंद्र बिंदु भी आयोजित की गई जिसमें एनएसटीएल, एनएमआरएल, आर एंड डी (ई) सहित विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं



ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह में अध्यक्ष, प्रोफेसर राजीव अनुजा, निदेशक, आईआईटी, रोपड़ ने ऐसी प्रदर्शनियों के आयोजनों के महत्व को समझाया।

डॉ. टीवीएसएल सत्यवाणी, वैज्ञानिक 'जी', एनएसटीएल द्वारा डीआरडीओ केंद्रित प्रदर्शनी पर एक संक्षिप्त जानकारी भी दी गई।

हरिद्वार में विकसित भारत संकल्प 2024 में डीआरडीओ की भागीदारी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 21-23 फरवरी 2024 के दौरान हरिद्वार, उत्तराखंड में तीन दिवसीय कार्यक्रम 'विकसित भारत संकल्प-2024' में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य श्री नरेश बंसल और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक ने किया। श्री पुष्कर सिंह धामी, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड ने उद्घाटन समारोह के दौरान आभासी रूप से संबोधन दिया। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाएं/प्रतिष्ठान जैसे भर्ती और मूल्यांकन केंद्र (आरएसी), कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेप्टेम), प्रौद्योगिकी विकास निधि निदेशालय, अर्मामेंट अनुसंधान बोर्ड (एआरएमआरईबी) ने प्रदर्शनी में भाग लिया, जबकि रक्षा वैज्ञानिक सूचना



तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक) कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रमुख प्रयोगशाला

रही। डीआरडीओ को कार्यक्रम के दौरान प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डीआईपीआर द्वारा पाठ्यक्रम एवं कार्यशालाएँ

सैन्य मनोविज्ञान संशोष्ठी

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 02-04 फरवरी 2024 के दौरान पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी में इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी (आईएपी) के 28वें अंतर्राष्ट्रीय और 59वें राष्ट्रीय सम्मेलन के हिस्से के रूप में 'संभावित चुनौतियों के लिए सैनिकों की तैयारी' विषय पर एक सैन्य मनोविज्ञान संशोष्ठी का आयोजन किया। सम्मेलन के दौरान, डॉ शिल्पी नांगलू, वैज्ञानिक 'ई', डीआईपीआर को डीआईपीआर में उनके निरंतर अनुसंधान योगदान के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित



किया गया। उन्होंने पुडुचेरी के माननीय से पुरस्कार प्राप्त किया। गृह एवं शिक्षा मंत्री श्री ए नामास्सिवयम

अखिल सेवाएँ उपयोगकर्ता सहभागिता कार्यशाला

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 07 फरवरी 2024 को 'मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण मॉड्यूल: संभाव्य का क्षमताओं में अंतरण करना' विषय पर एक दिवसीय अखिल सेवाएँ उपयोगकर्ता सहभागिता कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में विभिन्न सेवा मुख्यालयों जैसे आईडीएस, एआरटीआरएसी, एओपी, सीओपी और भारतीय तटरक्षक के वरिष्ठ प्रतिनिधि अधिकारियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों में सभी सेवाओं के विभिन्न प्रशिक्षण अकादमियों के निर्देशन कर्मचारी और प्रशिक्षक भी शामिल थे।



प्रतिभागियों को मनोविज्ञान के क्षेत्र के उन सिद्धांतों और प्रथाओं से अवगत कराया गया जो सैन्य प्रशिक्षण में मार्गदर्शन, सुविधा, ऊर्जा और अनुकूलन प्रदान कर सकते हैं।

सीआईएसएफ हेतु सहभागिता बैठक और मनोवैज्ञानिक उत्पादों का प्रदर्शन

13 फरवरी 2023 को रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली द्वारा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए मनोवैज्ञानिक उत्पादों की एक सहभागिता बैठक और

प्रदर्शन आयोजित किया गया। श्री श्रीकांत किशोर, डीआईजी-ऑप्स, श्री प्रबोध चंद्र, डीआईजी-टेक, सीआईएसएफ के अन्य अधिकारियों, कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी), डीआरडीओ मुख्यालय के प्रतिनिधि,

डीआईपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक चर्चा और प्रदर्शन में उपस्थित थे। डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने बैठक की अध्यक्षता की और डीआईपीआर टीम ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ)

के लिए प्रयोगशाला द्वारा अभिकल्पित और विकसित मनोवैज्ञानिक सेवाओं और समाधानों का अवलोकन प्रस्तुत किया। सीआईएसएफ के अधिकारियों को डीआईपीआर के मनोवैज्ञानिक उत्पादों के बारे में अवगत कराया गया और उन्होंने इस कार्यक्रम के संचालन के लिए डीआईपीआर के प्रयासों की सराहना की।



कैसडिक में तकनीकी पुस्तक प्रदर्शनी

तकनीकी सूचना केंद्र द्वारा 12 और 13 दिसंबर 2023 के दौरान आरपीआर ऑडिटोरियम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलुरु में एक तकनीकी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री बीएन लोकेश, वैज्ञानिक 'जी' और सह केंद्र प्रमुख द्वारा किया गया। श्री परांजापे हेमंत वसंत, अध्यक्ष, पुस्तकालय समिति और डॉ के महेश्वर रेड्डी, विशिष्ट वैज्ञानिक और डीएलआरएल के पूर्व निदेशक ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रदर्शनी में तकनीकी, सामान्य और भाषाओं के साथ-साथ विविध विषयों पर पुस्तकों की विस्तृत श्रृंखला शामिल थी।



एनएसटीएल में स्वास्थ्य वार्ता

महिला कल्याण मंच (एमकेएम), नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) विशाखापत्तनम, समाज की कल्याण गतिविधियों के लिए काम कर रहा है। उन्होंने 24 जनवरी 2024 को 'घुटने के दर्द और गठिया की रोकथाम' पर एक स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया। पीजीआई चंडीगढ़ के डॉ प्रवीण सोदावरपु ने व्याख्यान दिया और घुटने के दर्द और गठिया से बचाव के लिए बहुमूल्य सलाह दी। 12 फरवरी 2024 को 'स्पाइन स्पॉन्डिलाइटिस और इसके प्रबंधन' पर एक और स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गई।



डॉ कलाम की प्रतिमा का अनावरण और नए भवन का शिलान्यास

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डी डी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 21 जनवरी 2024 को रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर में भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की विश्व की सबसे बड़ी पीतल की प्रतिमा, का अनावरण किया। प्रतिमा 6 फीट ऊंची है और इसका वजन 220 किलोग्राम है। इस अवसर पर, उन्होंने डीएमएसआरडीई की नई बहुमंजिला इमारत की आधारशिला भी रखी।

अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए, डॉ जगन्नाथ नायक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, चेस; श्री एमपी सिंह, सीसीई (आरएंडडी) सेंट्रल; डॉ केके गौड़, सीसीई (आरएंडडी) नॉर्थ; श्री अरुण चौधरी, निदेशक, डीआईआईटीएम; श्री संजय टंडन, निदेशक डीआईए-सीओई, आईआईटी कानपुर; और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।



डॉ कामत ने सभागार में स्थानीय मीडिया से भी बातचीत की। अध्यक्ष, डीआरडीओ ने सभा को संबोधित किया और डॉ कलाम की प्रतिमा की स्थापना में निदेशक, डीएमएसआरडीई के प्रयासों की सराहना की जो डीएमएसआरडीई कर्मचारियों को प्रेरित करेगी। डीएमएसआरडीई के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ मयंक द्विवेदी ने अपने

संबोधन में एक नए डीएमएसआरडीई भवन की आवश्यकता के बारे में बताया क्योंकि वर्तमान इमारतें बहुत पुरानी हैं। डीएमएसआरडीई के निदेशक ने डीआरडीओ अध्यक्ष को डॉ कलाम की प्रतिमा की स्केल-डाउन प्रतिकृति देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन डॉ किंगसुक मिखोपाध्याय, वैज्ञानिक 'जी' के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

एनपीओएल में तट एकीकरण सुविधा की आधारशिला रखी गई

डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) ने 05 फरवरी 2024 को पनडुब्बियों के लिए प्रोग्राम इंटीग्रेटेड कॉम्बैट सूट (आईसीएस) की तट एकीकरण सुविधा (एसआईएफ) की आधारशिला रखी। आईसीएस डीआरडीओ द्वारा एनपीओएल के साथ नोडल प्रयोगशाला के रूप में किया जा रहा पहला स्वदेशीकरण प्रयास है। एसआईएफ एनपीओएल तकनीकी परिसर में प्रदान की जाने वाली एक अनूठी सुविधा है जहां एनपीओएल, डील, आईआरडीई, डीएलआरएल, एलआरडीई, एनएसटीएल



और आरसीआई द्वारा विकसित की जा रही आईसीएस की सभी उप-प्रणालियां स्थापित होंगी, एकीकृत होंगी और आईसीएस की कार्यक्षमता साबित होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री प्रिंस

जोसेफ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक द्वारा की गयी। श्री पी बालाकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम निदेशक (आईसीएस), डॉ बिस्वजीत चौबे, सीसीई (आर एंड

डी) साउथ ने सबका अभिनंदन किया और डॉ मनु कोरुल्ला, निदेशक सिविल वर्क्स एंड एस्टेट्स, डीआरडीओ मुख्यालय ने इंटरनेट वीसी के माध्यम से सबका अभिनंदन किया।

एनएमआरएल में बाल भवन का निर्माण

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ के कर्मचारियों के छह महीने से छः साल की उम्र के बच्चों के लिए एनएमआरएल में एक शिशुगृह/डे केयर सुविधा 'एनएमआरएल बाल भवन' बनाई गई है। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक निदेशक, एनएमआरएल ने 25 जनवरी 2024 को बाल भवन का उद्घाटन किया। बाल भवन बच्चों की दैनिक देखभाल के लिए आवश्यक विभिन्न सुविधाओं और साधनों से सुसज्जित है। यह एनएमआरएल निदेशक के मार्गदर्शन में कल्याण समूह द्वारा की गयी पहल थी।



चेन्नई में प्रथम अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन

डीआरडीओ मुख्यालय और युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई), चेन्नई ने संयुक्त रूप से विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर 10-11 जनवरी 2024 के दौरान 'विघटनकारी प्रौद्योगिकी और नई संभावनाएं' पर पहला अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया। गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुली आर्य ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। श्रीमती आर्या, श्री एसवी गडे, महानिदेशक (एसीई); श्री पुरुषोत्तम बेज, महानिदेशक (आर एंड एम); डॉ रवीन्द्र सिंह, निदेशक, संसदीय कार्य, राजभाषा एवं संगठन एवं पद्धति; श्री जे राजेश, निदेशक, सीवीआरडीई; श्री एस मैडी,



वैज्ञानिक 'एफ'; श्री चंद्र प्रकाश मीना, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन किया गया।

इसरो, बीएआरसी, डीईई, आईसीएआर, आईएआरआई, आईआईटी,

एनआईटी, डीटीयू आदि प्रमुख तकनीकी संगठनों से शोध पत्र आमंत्रित किए गए। 6 सत्रों में हिंदी और 1 सत्र में तमिल भाषा में कुल 39 प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गईं।

एनएसटीएल में तीसरा अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सेमिनार

विशाखापत्तनम के जीवंत शहर ने 01-02 फरवरी 2024 के दौरान नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) में दो दिवसीय तीसरे अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सेमिनार की मेजबानी की। डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम), इस अवसर के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री पीजे नेवारे, आईएनएस, मुख्य महाप्रबंधक, एनएडी, विशाखापत्तनम और डॉ रवींद्र सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक-राजभाषा उपस्थित रहे।



केयर, बेंगलुरु में उत्कर्ष 2024

पिछले कई वर्षों से डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा लगातार अखिल भारतीय राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य राजभाषा हिंदी के माध्यम से डीआरडीओ के कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई उपलब्धियों और अनुसंधान को साझा करना है।

कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र, बेंगलुरु को 19 जनवरी 2024 को अखिल भारतीय राजभाषा तकनीकी संगोष्ठी 'उत्कर्ष 2024' के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस सेमिनार में कुल 47 शोध पत्र प्राप्त हुए जिन्हें कुल आठ सत्रों में विभाजित किया गया।

संसदीय कार्य, राजभाषा और संगठन एवं पद्धति निदेशालय के निदेशक डॉ रवींद्र सिंह और डीएलआरएल, हैदराबाद के पूर्व निदेशक डॉ अनिल कुमार सिंह मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि थे। श्री संजीव गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी'



एवं अध्यक्ष, उत्कर्ष-2024 ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और श्रीमती उषा कुमारी, वैज्ञानिक 'एफ' और उपाध्यक्ष, ओएलआईसी ने सेमिनार की रूपरेखा प्रस्तुत की।

डॉ ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर ने अपने

संबोधन में सेमिनार के सभी लेखकों के प्रयासों की सराहना की।

उद्घाटन समारोह का संचालन श्री सौरभ मंडल, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा किया गया और डॉ महेश एसएन, सहायक निदेशक (ओएल) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

डी एंड एच सेचेरॉन पुरस्कार 2023

डी एंड एच सेचेरॉन पुरस्कार 2023 नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ टीम को प्रदान किया गया जिसमें श्री ए गौरव राव, श्री आनंद प्रकाश सिंह, श्री जी महंत, श्री एम मोहपे, श्री डीएस गौतम और श्री वीपी देशमुख शामिल थे, जिन्होंने राष्ट्रीय वेल्डिंग सेमिनार 2023 के दौरान 'उच्च एन्ट्रॉपी मिश्र धातुओं के लिए घर्षण स्टिर वेल्डिंग का विकास' पर सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुत किया। यह पुरस्कार 22 जनवरी 2024 को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वेल्डिंग, बेंगलुरु के सहयोग से भारतीय वेल्डिंग संस्थान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस-2024 के दौरान प्रदान किया गया।



उच्च योग्यता अर्जन



श्री मनोज जी, वैज्ञानिक 'ई', नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि को उनकी थीसिस शीर्षक "कपलिंग एंड डीकपलिंग स्कीम्स फॉर हाई पॉवर एसी डीसी एंड डाटा ट्रांसमिशन ओवर लॉन्ग सिंगल कोर कॉअक्सीयल केबल फॉर एयरबोर्न सोनार एप्लीकेशन्स", के लिए कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रौद्योगिकी संकाय के तहत पीएचडी से सम्मानित किया गया।

केयर में दक्षिण क्षेत्र और राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता 2023-2024

कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु ने 08-10 जनवरी 2024 के दौरान डीआरडीओ दक्षिण क्षेत्र शतरंज प्रतियोगिता और 17-19 जनवरी 2024 के दौरान डीआरडीओ राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया। कुल आठ टीमों (एडीई, कैब्स, जीटीआरई, सीवीआरडीई, सेमीलेक, एडीए और केयर) ने दक्षिण क्षेत्र प्रतियोगिता में भाग लिया। क्षेत्रीय पुरुष

प्रतियोगिता में एडीए और एडीई की टीमों क्रमशः विजेता और उपविजेता रहीं और क्षेत्रीय महिला प्रतियोगिता में एडीई और केयर क्रमशः विजेता और उपविजेता रहीं। राष्ट्रीय



शतरंज प्रतियोगिता में चार क्षेत्र (उत्तर, मध्य, पश्चिम और दक्षिण) ने भाग लिया। पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिता में, उत्तर क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र की टीमों क्रमशः विजेता और उपविजेता रहीं।

डॉ ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर ने

प्रतियोगिता का उदघाटन किया। समापन समारोह के दौरान श्री के आर परसन्ना कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं श्री फिलिप अब्राहम, वैज्ञानिक 'जी' ने प्रमाण पत्र, पदक और ट्राफियां वितरित कीं।



एनपीओएल में दक्षिण क्षेत्र फुटबॉल प्रतियोगिता

22-24 जनवरी 2024 के दौरान नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि में डीआरडीओ दक्षिण क्षेत्र फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता लीग आधार पर आयोजित की गई और चार दलों ने नामतः एनपीओएल, वैमानिकी विकास

स्थापना (एडीई), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), और युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई) ने इसमें भाग लिया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु और वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई), बेंगलुरु ने क्रमशः विजेता और

उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। श्री प्रिंस जोसेफ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक, एनपीओएल ने प्रतियोगिता के उदघाटन समारोह और समापन समारोह की शोभा बढ़ाई। खेल समिति, एनपीओएल ने एनपीओएल की कार्य समिति के साथ मिलकर कार्यक्रम का समन्वयन किया।



एयर वाइस मार्शल पीएस गंगोपाध्याय, सहायक सीओएएस (इंजी. बी) का दौरा

एयर वाइस मार्शल पीएस गंगोपाध्याय, सहायक वायु सेना प्रमुख, (इंजी. बी) वायु मुख्यालय ने 16 जनवरी 2024 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बंगलुरु का दौरा किया। डॉ. ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर द्वारा एक ब्रीफिंग दी गई, जिसके बाद इंटेलिजेंट सिस्टम और रोबोटिकी के क्षेत्र में केयर द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।



डेसीडॉक, दिल्ली में आगंतुक

कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग (एलआईएस) के दो प्रोफेसरों के साथ बाईस छात्रों ने 09 फरवरी 2024 को रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली का दौरा किया। उनकी यात्रा का उद्देश्य डेसीडॉक में उपलब्ध प्रक्रियाओं और संसाधनों के बारे में जानकारी हासिल करना था।

छात्रों को रक्षा विज्ञान और प्रौद्योगिकियों से संबंधित ढेर सारी जानकारी प्राप्त करने के लिए डेसीडॉक के भीतर मौजूद रक्षा विज्ञान पुस्तकालय के अन्वेषण का अवसर दिया गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रकाशन विभाग का भी दौरा किया, जिससे उन्हें डेसीडॉक द्वारा उत्पादित प्रकाशन प्रक्रियाओं और प्रकाशनों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई। डॉ. यूसुफ अंसारी, वैज्ञानिक 'एफ' ने छात्रों को संबोधित किया और शिक्षा जगत और वैज्ञानिक संगठनों के बीच खुलेपन और सहयोग का माहौल बनाने पर जोर दिया। छात्रों को डीआरडीओ

और डेसीडॉक गतिविधियों पर फिल्में भी दिखाई गईं। श्रीमती अलका बंसल, वैज्ञानिक 'एफ' एवं ग्रुप हेड, एचआरडी, ने क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता और अनुभव

साझा करते हुए, आगंतुक छात्रों को संबोधित किया। यात्रा का समन्वयन श्री तपेश सिन्हा, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा किया गया।



डीजीआरई में आईटीबीपी के महानिदेशक का दौरा

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) जो भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा की रक्षा करने के लिए कार्यरत एक अर्द्धसैनिक बल है, के महानिदेशक (डीजी), आईपीएस राहुल रसगोत्रा ने 07 फरवरी 2024 को रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ का दौरा किया। उनके साथ आईपीएस अशोक तिवारी, महानिरीक्षक (आईजी), पश्चिमी कमान, आईटीबीपी और आईपीएस संजय कुमार गुंज्याल, आईजी, उत्तर पश्चिम फ्रंटियर, आईटीबीपी भी थे।

डॉ पीके सत्यवली, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीजीआरई ने डीजी (आईटीबीपी) का स्वागत किया और डीजीआरई परिचालन गतिविधियों, उपयोगकर्ताओं के लिए सहायता सेवाओं और हिमालय के बर्फीले क्षेत्रों में तैनाती के दौरान सैनिकों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए चल



रही अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। महानिदेशक (आईटीबीपी) ने आईटीबीपी कर्मियों के लिए इसी तरह के समर्थन की अपेक्षा की, जो बर्फीले क्षेत्रों में तैनात हैं और

सर्दियों के महीनों के दौरान हिमस्खलन के खतरे का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने सह निदेशकों और तकनीकी प्रभागीय प्रमुखों वाले डीजीआरई दल के साथ भी बातचीत की।

डीजीआरई में महानिदेशक (एसीई) का दौरा

प्रो0 प्रतीक किशोर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई), पुणे ने 05 फरवरी 2024 को रक्षा भूसूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ का दौरा किया। डीजीआरई निदेशक डॉ पीके सत्यवली ने उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) का स्वागत किया और उन्हें डीआरडीओ के आर्मामेंट और कॉम्बैट अभियांत्रिकी (एसीई) क्लस्टर के महानिदेशक के रूप में पदभार संभालने के लिए बधाई दी। निदेशक, डीजीआरई ने उन्हें चल रही परियोजनाओं, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, परिचालन गतिविधियों, चल रहे एमओयू और उपयोगकर्ताओं को दी जाने वाली सहायता सेवाओं के बारे में जानकारी दी। इसके बाद महानिदेशक (एसीई) ने डीजीआरई के प्रौद्योगिकी रोडमैप और भविष्य की रणनीतिक



के बारे में सह निदेशकों और तकनीकी प्रभाग प्रमुखों के साथ बातचीत की।

उप महानिरीक्षक, आरएएफ ने डीआईपीआर का दौरा किया

श्री एम ए मजीद रिजवान, उप महानिरीक्षक (डीआईजी), रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 30 जनवरी 2024

को रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता, अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों

के साथ बातचीत की और आरएएफ के लिए प्रासंगिक मनोवैज्ञानिक सेवाओं और उत्पादों के बारे में चर्चा की।



रियर एडमिरल का एनएमआरएल दौरा

रियर एडमिरल दीपक कुमार गोस्वामी, एडमिरल अधीक्षक, नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई ने 24 जनवरी 2024 को नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ का दौरा किया। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने रियर एडमिरल दीपक कुमार गोस्वामी का स्वागत किया। इस यात्रा का उद्देश्य डीआरडीओ द्वारा विकसित एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्रणाली के साथ एकीकृत पी-75 पनडुब्बियों को बढ़ावा देने के लिए, भारत में नौसेना डाकयार्डों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं पर निर्णय लेना था। इसके बाद, गणमान्य अतिथि ने एआईपी प्रणाली के भूमि-आधारित प्रोटोटाइप (एलबीपी) का दौरा किया।





आरएडीएम जनक बेवली, वीएसएम एसीएनएस (वायु) ने एनएसटीएल का दौरा किया

रियर एडमिरल जनक बेवली, वीएसएम एसीएनएस (वायु) ने 23 जनवरी 2024 को नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम का दौरा किया। एनएसटीएल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ अब्राहम वर्गीस और उनकी टीम ने उनका स्वागत किया। उन्होंने एनएसटीएल के सभी वरिष्ठ वैज्ञानिकों से बातचीत की और एनएसटीएल की गतिविधियों और सुविधाओं पर चर्चा की। उन्होंने उत्पाद प्रदर्शन केंद्र और अन्य परीक्षण सुविधाओं का दौरा किया।



डीजी एटीवीपी, वीएडीएम कालीडोस का एनएसटीएल दौरा

वीएडीएम (सेवानिवृत्त) श्रीनिवास कालीडोस, डीजी एटीवीपी ने 25 जनवरी 2024 को नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल),

विशाखापत्तनम का दौरा किया। डॉ अब्राहम वर्गीस उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल और उनकी टीम ने उनका स्वागत किया। उन्होंने

एनएसटीएल के सभी वरिष्ठ वैज्ञानिकों से बातचीत की और एनएसटीएल सुविधाओं पर चर्चा की। परीक्षण सुविधाओं और उत्पाद प्रदर्शन केंद्र का भी दौरा किया।

